वर्ष 40 ▪ अंक 13, 14, 15
मार्च–मई ▪ 2023 ▪ मूल्य ₹ 150

# वर्तमान साहित्य

साहित्य, कला और सोच की पत्रिका

## समकालीन महिला लेखन महाविशेषांक

अतिथि सम्पादक
**ममता कालिया**

RNI पंजीकरण संख्या 40342/83 UPHIN 12563

रुद्रादित्य प्रकाशन

190 एच/आर/3-एन, ओ.पी.एस. नगर, कालिन्दीपुरम,
प्रयागराज (उ.प्र.) पिन-211011 फोन 8187937731

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक विभूति नारायण राय की ओर से भार्गव मुद्रणालय, नया बैरहना – इलाहाबाद; 211003 (उ.प्र.) से मुद्रित तथा 16/57 डी-10, राजीव निकेतन, कादीपुर ; शिवपुर, वाराणसी-221003 से प्रकाशित। स्वामित्व : प्रदीप नारायण राय

# वर्तमान साहित्य

आगामी अंक जून - जुलाई 2023

## साक्षात्कार एकाग्र

कवि त्रिलोचन से राजेश कुमार मिश्र,
श्याम बेनेगल से सविता मोहिते,
अचला नागर से सविता शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी से मोहम्मद हारून रशीद खान और
उषाकिरण खान से कुमार वरुण की बातचीत...

### लेख

**गांधी चिंतन और हिंदी साहित्य**
विनोद शाही

**महादेवी अक्क : रोशनी की एक कंदील**
सुभाष राय

**जन–तंत्र के प्रहरी**
कवि केदारनाथ अग्रवाल श्रीनारायण पाण्डेय

**स्मरण सुरेश सलिल**
भारत भारद्वाज

**कविता से लौटते हुए**
कवि विष्णु खरे - दिनेश प्रताप सिंह

### कहानियाँ

हरीचरन प्रकाश, गोपाल माथुर, देवेश पथसारिया

### कविताएँ

स्वप्निल श्रीवास्तव, नरेश अग्रवाल, सावित्री बड़ाईक
चंद्र, अनिता रश्मि, राहुल मौर्य

शेखर मलिक की लंबी कहानी 'जुल्मतों के दौर में'.....शेषांश

# मैं जो रास्ते पे चल पड़ी

**मीना कुमारी**

यौमे वफ़ात : 31 मार्च 1972

मैं जो रास्ते पे चल पड़ी
मुझे मंदिरों ने दी निदा
मुझे मस्जिदों ने दी सज़ा
मैं जो रास्ते पे चल पड़ी

मेरी साँस भी रुकती नहीं
मेरे पाँव भी थमते नहीं
मेरी आह भी गिरती नहीं
मेरे हाथ जो बढ़ते नहीं
कि मैं रास्ते पे चल पड़ी

यह जो ज़ख्म कि भरते नहीं
यही ग़म हैं जो मरते नहीं
इनसे मिली मुझको क़ज़ा
मुझे साहिलों ने दी सज़ा
कि मैं रास्ते पे चल पड़ी

सभी की आँखें सुर्ख हैं
सभी के चेहरे ज़र्द हैं
क्यों नक्शे पा आएँ नज़र
यह तो रास्ते की ग़र्द है
मेरा दर्द कुछ ऐसे बहा

मेरा दम ही कुछ ऐसे रुका
मैं कि रास्ते पे चल पड़ी....।

(कविताकोश कैलेण्डर 2023 से)

**संस्थापक सम्पादक :** विभूति नारायण राय
**सलाहकार सम्पादक :** भारत भारद्वाज

वर्ष : 40, अंक : 13-15 मार्च-मई 2023 संयुक्तांक
RNI पंजीकरण संख्या 40342/83UPHIN12563

**सम्पादकीय कार्यालय**
राजीव निकेतन 16/57 डी-10 कादीपुर, शिवपुर, वाराणसी (उ.प्र.)
पिन-221003
मो. 9005484595, 9531834834, 9415893480

**ईमेल :** vartmansahitya2021@gmail.com
**वेबसाइट :** vartmansahitya.com
**डिजिटल प्रभार :** सत्या एस दुबे
**प्रसार व्यवस्थापक :** अभिषेक ओझा

**रेखांकन :** नूपुर अशोक, अनुभूति गुप्ता
**आवरण :** राज भगत

**सहयोग राशि :** यह प्रति ₹150/-
पंजीकृत डाक से ₹190/-
**साधारण प्रति :** ₹60/-
**संस्थाओं व लाइब्रेरियों के लिए वार्षिक :** ₹1200/-
**सदस्यता शुल्क वार्षिक :** ₹1000/- पंजीकृत डाक से
**विदेशों में वार्षिक :** 250 डॉलर
**आजीवन सदस्यता राशि :** ₹10,000/-

**बैंक के माध्यम से सदस्यता शुल्क भेजने के लिए**
संजय कुमार श्रीवास्तव
**खाता सं. :** 28660100008342
IFSC : BARB0SHIVBS (Fifth digit is Zero)
बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा- शिवपुर, जिला- वाराणसी (उ.प्र.), 221003
GPay : 9005484595
कृपया राशि भेजने की सूचना तत्काल ईमेल, व्हाट्सएप्प अथवा पत्र द्वारा अपने पते सहित भेजें।

**वितरक :** रुद्रादित्य प्रकाशन समूह
इलाहाबाद-211015
फोन नं. : 0532-2972226, 8175030339

*पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति या विचारों से वर्तमान साहित्य, संपादक मंडल या संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। संपादन एवं संचालन पूर्णतया अवैतनिक और अव्यावसायिक है। सभी विवादों का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा।*

# वर्तमान साहित्य

**साहित्य, कला और सोच की पत्रिका**

**अतिथि सम्पादक**
**ममता कालिया**

**सम्पादक**
**संजय श्रीवास्तव**

**उप सम्पादक**
**शशि कुमार सिंह**

**सह सम्पादक**
**अलका प्रकाश**

**सम्पादन सहयोग**
**वन्दना शुक्ला**

# अनुक्रम

## सम्पादकीय


- **हम चले थे जानिब-ए-मंज़िल :** संजय श्रीवास्तव 3
- **यह एक सिलसिला है... :** विभूति नारायण राय 4
- **स्त्री रचनाशीलता का आकाश :** ममता कालिया 6


## संस्मरण दीर्घा


- **उषा प्रियंवदा :** मेरे लिए निर्मल 8


## लेख वीथी


- **मृदुला गर्ग :** आधे सच की पूरक सच्चाइयाँ 10
- **अनामिका :** वृहत्तर समाज का महास्वप्न: 'प्रेमचंद घर में' 13
- **रोहिणी अग्रवाल :** समाज से कैफियत माँगते कुछ सवाल 16
- **गरिमा श्रीवास्तव :** देह श्रमः तब और अब 23
- **शम्पा शाह :** बिन भाषा संवाद 27
- **प्रीति चौधरी :** सुभद्रा कुमारी चौहान: लेखन से निकलती रोशनी 30
- **सीमा आज़ाद :** औरतें, आन्दोलन और संस्कृति 35
- **अलका प्रकाश :** सत्ता प्रतिष्ठान और स्त्री अस्मिता 38


## वाद-विवाद-संवाद


- **कात्यायनी :** 'हत्याओं के समय में प्रणय विकल कविताएँ' 43


## कहानियाँ


- **उषाकिरण खान :** मुझे मछली बनना है 53
- **सारा राय :** बदहवास आदमी और हम 56
- **मधु कांकरिया :** बबुआ 59
- **गीताश्री :** स्वप्नभंग 63
- **प्रत्यक्षा :** गुम 68
- **वंदना राग :** पसरीचा बहन जी का पतीला 73
- **मनीषा कुलश्रेष्ठ :** अ गर्ल फ्रॉम... 78
- **दिव्या माथुर :** आशियाना 84
- **रजनी गुप्त :** चैप्टर क्लोज्ड 88
- **उर्मिला शिरीष :** तिकड़म 95
- **अनीता गोपेश :** शाम है धुआँ-धुआँ 102
- **जयंती रंगनाथन :** चौथा मुसाफिर 106
- **नीलाक्षी सिंह :** लय 112
- **कुसुम भट्ट :** जोगणी 118
- **अंजू शर्मा :** राधिकारानी @ इंस्टाग्राम डॉट कॉम 121
- **आकांक्षा पारे काशिव :** दूरी 126
- **विजयश्री तनवीर :** निर्वाण 130
- **हुस्न तबस्सुम निहाँ :** इश्क और इंकलाब 136
- **जयश्री रॉय :** आखिरी कविता 144
- **सपना सिंह :** एक गली का मुसलमान हो जाना! 149
- **प्रज्ञा रोहिणी :** माया मरी न मन मरा 153
- **नीलिमा टिक्कू :** बेगैरत 159
- **निधि अग्रवाल :** चाँद और कौवे 165
- **शिल्पी झा :** उसका शहर 170
- **अणुशक्ति सिंह :** कौन जीता है तिरी ज़ुल्फ़ के सर होने तक 173
- **ममता सिंह :** स्याही 176
- **रश्मि शर्मा :** जन्नत 180
- **लता शर्मा :** बेकार आदमी 187
- **राजुला शाह :** कल्पना करो कि 192
- **ऋचा चतुर्वेदी :** पहाड़ी नदी 196
- **द्विंकल तोमर सिंह :** दो दीवाने एक शहर में 198
- **नीतू मुकुल :** अनुबंध 201
- **जमुना बीनी :** नीया 209
- **काव्या कटारे :** नई लकीरें 211


## यात्रा वृत्तांत


- **मीना झा :** पेरिस सिंड्रोम 216


## कविताएँ


• नीलेश रघुवंशी •जसिंता केरकेट्टा • अनुराधा सिंह • रश्मि भारद्वाज • शैलजा पाठक • वाजदा खान • रूपम मिश्र • जोशना बैनर्जी आडवानी • संध्या नवोदिता • पंखुरी सिन्हा • वंदना चौबे • विशाखा मुलमुले • अर्चना लार्क • प्रिया वर्मा • नन्दा पाण्डेय • मनीषा डागा • बीनू शारदा 220-256